यीशु मसीह का पुनरुत्थान किस सबूत पर आधारित होता है?

डॉ। जॉन एकरबर्ग : 2000 साल से मसीही चर्च इस बात का दावा करते आया है कि उसके जीवन के अंत में, यीशु नासरी क्रूस पर चढाया गया, फिर गाढ़ा गया और फिर तीसरे दिन, मुर्दों में से जो उठा/

डॉ क्रेग इवांस: इसके सबूत हैं, इसके स्रोत हैं, चित्र साफ और स्पष्ट है, और मेरा अपना दृष्टिकोण ये है कि ये चित्र सहमत करनेवाला है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : लेकिन दुसरे लोग दावा करते हैं, कि यीशु क्रूस पर नही मरा, वो केवल वहां से निकलकर कब्र में चला गया, कुछ आधुनिक विद्वान् दावा करते हैं कि यीशु की देह क्रूस से उतारी गई, और कचरे के ढेर पर फेकी गई, और उसे जंगली कुत्तों ने खा लिया, यीशु के पुनरुत्थान में प्रकट, तो केवल भ्रम या दू;ख के दर्शन के सिवा कुछ नही था, वो सच में स्वयं यीशु का शारीरिक प्रकटीकरण नही है/

डॉ। एडविन यामाउची: अब यदि पुनरुत्थान नही होता, तो हम यहाँ नही होते, कहे तो, कोई भी मसीही चलन नही होता/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: मैं दस साल तक दोष निकालनेवाला था, मेरे लिए तो जीवन का कोई अर्थ नही था, मैं सोचता हूँ, जब मैं गाढ़ा जाता हूँ, और मेरी कब्र पर पत्ते उड़ते हैं, या इसका ये अर्थ है, मेरे लिए मैं पुनरुत्थान के विषय पर विशेषज्ञ हूँ, क्या आप जानते हैं कि ऐसा समय था जब मैं सोचता था कि मेरे रिसर्च का क्या होगा, लेकिन इसका निष्कर्ष यही हुआ कि इसने मुझे जंगल से बाहर निकाला, परेशानी से बाहर,और मेरे लिए पुनरुत्थान तो सच में यही कहता है/ जीवन का अर्थ है, एक अनन्तकाल है, सब इसी लिए क्यों कि यीशु मसीह मुर्दों में से जी उठा है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ऐतिहासिक सबूतों जो सांसारिक और पृथ्वी का स्रोतों का परिक्षण क्या प्रकट करता है/

डॉक्टर लेन क्रेग: हमें यीशु को यीशु रहने देना होगा, हमें उसे खुद के लिए बोलने देना होगा, और वो जो है वही होने देना है, नही तो हम बस अपने विचार थोपेगे,अपना राजनैतिक सही यीशु, इतिहास के यीशु पर/ और आप उस यीशु को लेकर आएगे जो बिलकुल आप के जैसे दिखता है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ये आपके जीवन में क्या फर्क लाता है/ यदि ये सबूत इस निष्कर्ष पर लेकर आएं, कि यीशु सच में मुर्दों में से जी उठा है/

रेल बॉक: यदि यीशु वही है जो होने का दावा करता है/ तो फिर हम सब यीशु के सामने लेखा देगे/ और उसका सामना करना मुश्किल होगा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हम आपको न्योता देते हैं कि इस विशेष प्रोग्राम में जुड़ जाए, द जॉन एन्करबर्ग शो में/ और संसार के विख्यात इतिहासकार, थियोलिजीयन और आर्कियोलोजिस्ट की सुने, जो इस पर चर्चा करते हैं/

****

डॉ। जॉन एकरबर्ग : स्वागत है, हम इस सवाल को देख रहे हैं कि क्या यीशु मसीह मुर्दों में से जी उठा है? किस सबूत पर यीशु मसीह का जी उठना आधारित है? आज मेरे मेहमान हैं, फिलोसोफर डॉक्टर विलियम लैनकरे, ये चार ऐतिहासिक सबूत देते हैं, जिसे सब दोष निकालनेवाले विद्वान् स्वीकार करते हैं/ सुनिए/

डॉक्टर लेन क्रेग: मेरे लिए ऐसे दिखता है कि चार बुनियादी ऐतिहासिक तथ्य हैं, जिसे कोई भी सम्मानित इतिहासकार जरुर देखेगा, यदि उन्हें अच्छी ऐतिहासिक जानकारी देनी है, यीशु नासरी के बारे में कुछ कहना है तो/ इन में पहला है, यीशु का आदर के साथ गाढ़ा जाना. इन में दूसरा है, वो कब्र खाली है ये जानता है/ तीसरा तो यीशु का उसके बाद प्रकट होना है/ और चौथा तो चेलों के विश्वास की शुरवात है, कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब पिछले कुछ हफ्तों से हमने इस तथ्यों के बारे में सबूत दिए हैं, आज हम देखना चाहते हैं कि कैसे दोष निकालनेवालों ने इसे प्रतिउत्तर दिया/ संक्षिप्त में, पांच नैचरलिस्टिक सिद्धान्त हैं, जो यीशु के जी उठने की घटना के बारे में सबूत देते हैं/ डॉक्टर गैरी हैबरमास बताते हैं, जो संसार में विख्यात इतिहासकार हैं, यीशु के जी उठने के सबूतों के बारे में बताते हैं/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: इतिहासिक रूप में कुछ ही मुख्य नैचरलिस्टिक सिद्धान्त हैं, कुछ तो झूठे सिद्धान्त हैं, चेलों ने देह चुरा ली और उन्होंने उसके प्रकट होने के बारे में झूठ कहा/ किसी ने देह के साथ कुछ किया था, तीसरा कि शायद यीशु क्रूस पर नही मर, चौथा कि चेलों ने शायद भ्रम में देखा होगा, या किसी तरह का महान व्यक्ति कहता है कि इतिहास अपने तरीके से इसे करता है/ इतिहास में ये सच में नही हुआ है/ जी उठने के बारे में/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब यदि आप विश्वासी नही हैं, क्या आपने कभी ये नेचरलिस्टिक थेयरी के बारे में सोचा है/ जो यीशु के जी उठने के बारे में सिद्धान्त देने की कोशिश करते हैं/ यदि ऐसा है/ मैं चाहता हूँ कि अप देखे कि क्यों विद्वान् इन सबूतों को देखते हैं, कि इन पर्यायी सिधान्तों को बताए, और निष्कर्ष निकाले कि यीशु मुर्दों में से जी उठा होगा/ पहले चलिए इस सिध्दान्त को देखते हैं, ये दावा कि चेलों ने देह को चुराया है/ फिर झूठ कहा कि यीशु उन पर प्रकट हुआ है/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: फ्रोड़ थेयरी का पहला रूप है कि चेलों ने देह चुरा ली है/ और बाद में उन्होंने झूठ कहा या उस के प्रकट होने के बारे में सही तरह से नही कहा, ये तो सच में सम्मानित विद्वान इसे नही मानते हैं, शायद 200 साल पहले ये बहुत विख्यात था, और आप इसे नए नियम में देखते हैं, अब मैं सोचता हूँ कि दोष निकालनेवालों ने इसे इसलिए छोड़ दिया है/ इसलिए कई कारण हैं, लेकिन चेलों ने विश्वास किया कि उन्होंने जी उठे यीशु को देखा है/ वो तो अभी भी देह थी, उसके प्रकट होने के बारे में झूठ कहा कि उन्होंने उसे सच में देखा, तो ये मानो बड़ी चट्टान से टकराया, क्योंकि सब ने विश्वास किया कि चेलों ने यीशु को देखा है/

दूसरी बात, हम बदलाव देखते हैं/ वो बदल गए और मरने के लिए भी तैयार थे, इसे कैसे बताएगे कोई झूठ या बड़ा धोका, दो मुख्य प्रकट होना था, याकूब पर और पौलुस पर भी/ हम कैसे याकूब और पौलुस को एक साथ लाए, कि किसी तरह का धोका हो या ठगी कह सके/ हम दुसरे कारण भी दे सकते हैं लेकिन दोष निकालनेवाले शायद ये कहे, मैं इसे नही लेता कोई इस बात को नही लेता, लेकिन ये ऐतिहासिक थेयरी है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अगली याने दूसरी नेचरलिस्टिक थेयरी जो जो अविश्वासी देते हैं, कि यीशु का पुनरुत्थान ये है/ यदि चेलों ने देह नही चुराई थी, तो और किसी ने चुराई होगी, वो माली हो सकता था, या अनजान व्यक्ति जिसने देह हटाई होगी, अब विद्वान् इस थेयरी के बारे में क्या कहते हैं/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: अगली कोशिश, चलिए कहते हैं कि चेले धोका देना चाहते थे, जानते हैं, कि बटलर ने इसे किया, ये कोई भी हो सकता था, ये माली हो सकता था, यदि आप युहन्ना के सुसमाचार में देखे, चलिए इसे मुश्किल बनाए कि किसी अजनबी ने देह हटा दी थी/ वो बाद में खोजी गई, मुख्य समस्या इस दुसरे धोके में कि चेलों ने उसे निकाल लिया, बात तो ये है कि हम चेलों के अनुभव को नही बताते हैं, कोई भी थेयरी नही बताती है कि चेलों ने क्या अनुभव किया था, क्योंकि फिर से, चेलों ने विश्वास किया कि उन्होंने जी उठे यीशु का प्रकटीकरण देखा है/ हम इसे कैसे पाएंगे जब कि और किसीने देह ले ली हो/

चलिए इस तरह कहते हैं, दुसरे घोके में, कहा जाए तो, चेलों को छोड़ और किसने देह चुरा ली है, तो केवल यही रहता है, खाली कब्र का विवरण, ये कुछ नही कहता है उन अनुभवों के बारे में, बदलाव के बारे में कुछ नही, याकूब के बारे में कुछ नही, पौलुस के बारे में कुछ नही, इस

समय तक दोष निकालनेवाले कहेगे, मैंने तो ये ऐसे ही कह दिया था, जानते हैं, और हम आगे बढ़ते हैं, और दोनों झूठी थेयरी को दूर करते हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग: अब डॉक्टर गैरी गैबरमास को सुनने के बाद, मैं सोचता हूँ कि आप में से कितने लोग जानते हैं कि वो क्या कह रहे हैं/ जब उन्होंने कहा याकूब याने हमारे प्रभु यीशु का भाई, और प्रेरित पौलुस/ लेकिन आगे बढने से पहले मैंने उन से कहा कि बताईये कि इन दो लोगों ने महत्वपूर्ण सत्य क्यों दिए हैं, यीशु के जी उठने से पहले ही/ सुनिए/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: जी, एक नियम है इतिहास के बारे में, वो है शर्मिंदगी का सिधान्त, जब हम कुछ महत्वपूर्ण कहते हैं, और मानते हैं कि इस में कुछ कमी है/ तो ये शायद आगे समय और जगह में इसे प्रकट कर देगा/ युहन्ना के सुसमाचार अध्याय 7 में, हमने देखा है कि याकूब दोष निकालनेवाला था, बात तो ये है कि जब यीशु घर में आता है/ उसके भाई और बहन उन विश्वास करनेवालों में नही थे/

मैं कई बार सोचता हूँ, जानते भीतर के दोष निकालनेवाले विशेष आयाम रखते हैं, वो ऐसा था, जो बड़ा था और उसे कभी बताया गया था, यीशु ने इससे अच्छा किया था, खैर बताने की जरूरत नही है देख सकते थे, कईबार उसने कहा होगा ओ, मुझे तो ये लेना भी मुश्किल है/ जैसे वो स्वर्गदूत है, हाँ और उसने विश्वास नही किया/

अब, हम नए नियम के कुछ पन्ने पलटा दे, तो याकूब कहाँ था, वो प्राचीन संसार के सबसे बड़े चर्च का पास्टर था, प्रेरित 15 में यरूशलेम के नामधारी काउन्सिल, पतरस वहां था, पौलुस था, किसने अंतिम वचन दिए, उन लोगों में से एक ने, नही, याकूब खड़े होकर अपने दृष्टिकोण देता है, यदि हम याकूब की जगह होते, याने उसके अधिकार में होते, और यरूशलेम में होते, तो वो जो कहता हैं उसे सुनते थे/ वो पास्टर था/

अब, वो कैसे बदला दोष निकालनेवाले से प्राचीन संसार के सबसे बड़े पास्टर के रूप में, पौलुस वो जवाब देता है, पहला कुरिन्थियों 15:7 में वो कहता है, कि वो याकूब पर भी प्रकट हुआ/ अब रिजनलड फुलर ने कहा, यदि पौलुस इस तरह नही बदलता, दोष निकालनेवाले से पास्टर के रूप में, तो फिर भी मैं सोचता हूँ कि एक तो था, क्यों? फुलर कहते हैं कि उस प्रकट होने के बिना, मैं अनुमान नही लगता, एक कि याकूब बदल गया, इसलिए कोई कारण नही था, और नंबर दो, उसके उठाए जाने में, इस महत्वपूर्ण जगह पर पास्टर के रूप में, यहाँ वो भीतर रहनेवाला था और सारांश तो ये है, यहाँ जी उठने के लिए मजबूत सबूत हैं, किस कारण याकूब बदल गया और शुरू के चर्च में महत्वपूर्ण हो गया/

डॉ। जॉन एकरबर्ग: बहुत से लोग, प्रेरित पौलुस को देखते हैं, और यदि वो अनुमान लगाना चाहते हैं कि वो विश्वासी क्यों बना? वो रुक जाते हैं, और बहुत से स्वाभाविक विवरण देते हैं/ लेकिन खुद पौलुस ने कहा है, वो अर्थ रखता है, इसे बताईये/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: खैर, हमारे पास यहाँ पौलुस की गवाही है, और पौलुस को गंभीरता से लिया जाता है क्योंकि आज, एक कहावत जो मैं क्लास रूप में उपयोग करता हूँ, पौलुस भीतर है और सुसमाचार बाहर है, मैं नही सोचता कि सुसमाचार में देखे लेकिन हमारे पास पौलुस है/ और पौलुस की 13 पत्रियाँ जो उसके नाम पर हैं, दोष निकालनेवाले अद्भुत रूप में कहेगे, लगभग 5 से 8 तक ये पत्रियाँ लिखी हैं, और पौलुस ने खुद कहा है, कि, उदाहरण के लिए फिलिप्पियों की पत्री, उसने कहा कि वो चर्च को सतानेवाला था, वो इब्रानियों का इब्रानी था, एक फरीसी, मसीहियत का मित्र नही था, उसने सोचा कि वो प्रभु के लिए काम कर रहा है/ कि स्त्री, पुरुष को बंदी बनाए, और वो तो कईबार उनके मारे जाने में सहभागी होता था/ याने उनके कपड़े संभालता था जो पत्थरवाह कर रहे थे स्तीफ्नुस पर/ प्रेरित की किताब में/

याने पौलुस अवश्य ही दोष निकालनेवाला था, शायद कह सकते थे कि उसने गमालियेल के निचे पी एच डी की होगी/ और हीब्रू अध्यान किया, और ये गलत उसे वो चादर दी गई थी, वो पुरुष था, वो चुनाव था, कि इन विश्वासियों के पीछे जाए/ और वो जी उठे यीशु से मिलता है/ यीशु ने कहा, मैं तुम्हें चाहता हूँ, तू मेरे मनुष्य हो, और पौलुस जी उठे यीशु को देखता है और अब वो शायद सबसे बड़ा मिशनरी, थियोलोजियन मन रखता है/ शुरू के चर्च में/

अब यहाँ पौलुस की गवाही है कि क्या हुआ था, पौलुस पहला कुरिन्थियों 15:8 में कहता है, वो सब बताता है और उसके अंत में वो बताता है, सबसे अंत में वो मुझ पर प्रकट हुआ था/ जो अधूरे दिनों का जन्मा हूँ/ कुछ अध्याय पहले इसी किताब में, पहला कुरिन्थियों 9:1 में, वो कहता है कि क्या मैं प्रेरित नही हूँ? क्या मैंने प्रभु को नही देखा है? पौलुस के सारे लेख में, जी उठना कुंजी है, तो देखिए मैं जो कर रहा हूँ उसके लिए जी उठना ही कुंजी है/ वो मेरे सामने प्रकट हुआ, खासकर जानते हैं, पौलुस ने कभी धन्यवाद देना नही छोड़ा, प्रभु को, उस अनुग्रह के लिए जो उसे दिया गया था, मुझे उद्धार देने के लिए धन्यवाद, मेरे पहले के अध्यन को, और मुझे अपने पास लाया है, लेकिन फिर से कुंजी है कि यदि जी उठे यीशु का प्रकटीकरण नही होता तो पौलुस उन में नही होता और गवाह नही होता, लेकिन वो था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब इन सबूतों को मन में रखते हुए, अब सबसे विख्यात थेयरी पर चर्चा करते हैं/ दोष निकालनेवालों ने यीशु के जी उठने के बारे में कहा है, इसे स्वोन थेयरी कहते है, वो मरा नही लेकिन क्रूस पर बेहोश हो गया/ डॉक्टर हैबरमास बताते हैं/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: अब स्वोन थेयरी बहुत ही विख्यात थेयरी रही है/ 1700 में और खासकर कह सकते हैं, 1800 के पहले तिहाई में और 19 वी सदी में/ जब तक डेविड स्ट्राउस ने उसे पूरी तरह से गलत नही साबित किया/ इस पर चर्चा करने से पहले, मैं यहाँ पर जल्दी से याद दिलाऊ, मेडिसिन इस बिच में आई और कहा देखिए क्रुसिकरण के द्वारा मृत्यु तो घुटकर मरना है, और क्रुसिकरण के द्वारा मृत्यु याने यीशु के केस में, दिल के जख्म से है/ यदि वो मरा नही था तो मर जाता/

अब, स्ट्राउस की और चले क्योंकि मेडिसिन परिचित नही थी, लेकिन हमने इसमें स्ट्राउस को जोड़ा है, स्ट्राउस ने स्वुन थेयरी का मजाक उड़ाया, वो पूरी तरह उसे अलग था, उसे दो बड़ी युनिवर्सिट से निकाला गया था बहुत लिबरल होने के कारण, फिर उनका मुख्य काम था 1835 में, उसने कहा कि स्वुन थेयरी काम नही करेगी, ये खुद का विरोध करनेवाली है/ स्वुन से हम जीवित यीशु को देखते हैं, लेकिन जी उठा यीशु नही, ये इसी तरह है/

यीशु को क्रूस पर मरना था, वो नही मरा, वो कब्र में मरना था नही मरा, निश्चय ही पत्थर नही लुढ़का सकते थे, कोई बात नही, उसने सरकाया, स्ट्रास सिपाहियों पर विश्वास नही करते हैं/ लेकिन जो विश्वास करते थे कि वहां सिपाही बैठे थे,और वो सिपाहियों से बचकर निकल गया/ लेकिन स्ट्राउस में यही समस्या थी/ याने वो क्रूस पर नही मरा, कब्र में नही मरा, पत्थर नही लुड्काया और वो चेलों के पास आता है/ और दरवाज़ा खटखटाता है, तो ये आदमी कैसे दिखेगा/ मनुष्य यीशु क्रूस पर चढाया गया था/ उसके जख्म पुरे खुले हुए थे, उसका कहूँ बह रहा था सिर से, उसके बाल भी धोए नही गए थे, मतलब पसीना और खून था, और पसली पर जख्म था, चल नही सकता था, लड़खड़ा रहा है/ दर्द में है और मैंने तुम से कहा था कि मैं मुर्दों में से जी उठूँगा/

स्ट्राउस ने कहा उ उसमे समस्या थी, इस स्वून थेयरी में, याने हम वो यीशु देखते हैं जो जीवित है/ लेकिन जी उठा यीशु नही है/ लेकिन स्ट्राउस जी उठने में विश्वास नही करते है, लेकिन जानते थे कि चेले करते थे/ और स्वुन हमें ए से बी में नही लाता है/ हम इस तरह का यीशु पाते हैं, प्रभु भीतर आ/ कुर्सी लाओ, थोडा पानी लाओ, डॉक्टर को बुलाओ/

ये बात है स्ट्राउस में, कि चेलों को डॉक्टर को बुलाना पडा, जी उठने की घोषणा करने से पहले/ क्योंकि कोने में पतरस ये कह रहा था, देख लो किसी दिन हमे भी पुनरुत्थान की देह मिलेगी, इसी के जैसे/ और ये एक तरह से घोषणा है, जो जुडी है जी उठे यीशु के साथ में, फिर से, स्ट्राउस ने विश्वास नही किया कि वो जी उठेगा, उसने नही सोचा कि सिपाही थे, उसने ये विश्वास नही किया कि यीशु जी उठा है/ लेकिन यदि हम ये विश्वास नही करे, चेले का भाग काम नही करता, सम्स्य ये थी स्वुन उन अनुभवों को नही बता सकते थे जो चेलों ये पाया था, उन्होंने सोचा कि ये जी उठे यीशु का प्रकटीकरण है/

***

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आगे है, चौथी नैचरलिस्टिक थेयरी जो दोष निकालनेवाले देते हैं, जो बताने की कोशीश करते है कि यीशु के चेलों को क्या हुआ, जिसे वो भ्रम की थेयरी कहते हैं/ क्या यीशु अपने चेलों के सामने अपने असली शारीरिक देह में प्रकट हुआ? वो कहते हैं कि चेलों ने इसके बजाए भम्र देखा/ सुनते हैं/

डॉक्टर गेरी हाबरमास: भ्रम की थेयरी में क्या गलत है/ शायद और किसी थेयरी में इतनी समस्या नही होगी,

समस्या नंबर एक, लोगों के समूह, एक ही समय दो लोग एक भ्रम नही देख सकते हैं/ भ्रम तो ऐसा होता है कि आप एक दिमागी चित्र बनाते हैं, दो लोग एक भ्रम नही देख सकते और दो एक ही सपना नही देख सकते हैं/ याने यदि लोगों का समूह है, तो इसके लिए कोई मौका नही है/ और कहिए उदाहरण के लिए कि तीन लोग, पहला कुरिन्थियों 3:15 से आगे, ये भ्रम नही है, समूह के रूप में नही/

चेलों ये इस पर विश्वास नही किया, ये तो सब ने माना, याने वचन से और सायकोलोजी से भी/ कि चेले इतनी बड़ी घटना के बाद में इस तरह से अजीब सोच भी नही सकते थे/ सबसे अच्छे दोस्त, जीविका, सब नाश हो गया था और वो इस तरह से जी उठने के प्रतिमा नही बना सकते थे/ याने दुसरा ये है कि मन में सही फ्रेम में नही थे,

तीसरा तो सबसे विनाशकारी हो सकता था/ बहुत से अलग लोग, समय, जगह थी, यहाँ स्त्रियां थी, पुरुष थे/ अंदर बाहर, चल रहे थे खड़े थे/ सब कुछ समस्या ये है/ कि ये विश्वास करे कि इन में से हरएक व्यक्ति ने गुप्त में छिपकर व्यक्तिगत रूप में, भ्रम पाया, ये समझ से बाहर है/ हम तो सामान्य रूप में भ्रम नही देखते हैं,लेकिन वो तो मांग पर होते हैं/ बहुत समस्या से भरा है/

चौथी समस्या, यदि चेले भ्रम देख रहे थे, खाली कब्र में थोड़ी समस्या थी/ वो खाली नही थी/ तो अगुवे कह रहे थे देखो यहाँ कुछ समस्या है/ अब दोष निकालनेवाले क्या कहेगे कि मरने के 50 दिन के बाद देह कैसे दिखेगी/ देखो इस से फर्क नही पड़ता/ ये देह क्रूस पर चढ़ी दिखती थी, किलों के छेड़ थे, ये मनुष्य था, ये थेयरी दूर करता है/ तो खाली कब्र तो भ्रम की बात दूर करती है/

भ्रम जीवन नही बदलते हैं/ हमेशा के लिए जीवन नही बदलते/ मेरे कुछ दोस्त प्रयोग कर रहे थे,भ्रम के बारे में, वर्तमान के समय तक, और लोगों को भ्रम से बाहर निकाला है/ आप ऐसे कुछ कह सकते है जो इस सही कर सकता है, जब उन्हें सिखाया गया तो उन्होंने यही कहा, दो तरह की बातें लोगों ने कहा, जो कुछ भी हुआ उसे मेरे दोस्त ने नही देखा/ यदि उन्होंने इसे नही देखा है/ वहां कोई है जो इसे नही देखते है/ वो दुसरे लोगों को बताते हैं, खासकर जी उठने की बातें जो जीवन बदल देती है/

देखिए पांच समस्या हैं, और दो जल्दी से बता दूँ, याकूब और पौलुस/ वो मन के सही फ्रेम में नही थे, याकूब भीतर से दोष निकालनेवाला था, किस कारण उसने दांत पिसना बंद करके जी उठे भाई को गले लगाने दिया/ और किस कारण पौलुस पी एच डी विद्वान् यहूदी मत में था और वो मसीही अधिकार और मिशनरी थियोलोजिन होता है/ मैं सोचता हूँ कि इसे कहना बहुत मुश्किल होगा, वो तो जी उठे यीशु को देखना चाहते थे/

सात दोष हैं, हम आगे बता सकते हैं/ ऐसे तो बहुत बहुत हैं, लेकिन ये तो भ्रम की कुछ समस्याएँ हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब डॉक्टर विलियम लैंकरे ने कहा कि एक और महत्वपूर्ण कारण है कि भ्रम की थेयरी का इनकार कर सके/ मैं चाहता हूँ कि इसे सुने/

डॉक्टर लेन क्रेग: भ्रम के बारे में एक और समस्या है कि हिपोथेसीस इसके विवरण की शक्ति कमजोर करता है/ ये तो प्रकट होने के विवरण के लिए दिया गया है/ लेकिन सच में ये नही बताता है, कि क्यों चेले ये विश्वास करने लगे कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है/ देखीए यदि इस खास यहूदी मानसिकता में, बाद के जीवन के बारे में विश्वास में, तो उन्होंने विश्वास किया होता कि यीशु अब्राहम की गोद में चला गया है/ स्वर्गलोक में, जहाँ मरने के बाद धर्मीजन जाकर प्रभु के साथ रहते हैं/ और संसार के अंत में पुनरुत्थान होगा/ और इसलिए यदि वो भ्रम में होते/ यीशु का दर्शन, यदि उन्होंने यीशु के दर्शन को बताया होगा/ स्वर्ग में उठाए गए रूप में, जहाँ परमेश्वर ने उसे उठा लिया है/ संसार के अंत में आनेवाले पुनरुत्थान के समय तक, लेकिन उसके कारण उन में से बहुत से लोगों ने स्वर्ग में यीशु के अनुमान के बारे में बताया होगा/ स्वर्ग में यीशु की महिमा के बारे में. मुर्दों में से उसके जी उठने के बारे में नही/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अंतिम नैचरलिस्टिक थेयरी जो अविश्वासी लोग कहते हैं, कि यीशु के जी उठने के बारे में बताए, ये तो अनुमान है कि यीशु का पुनरुत्थान तो रिको रोमन मनघडत कथा जैसे है/ मरने और इश्वर बनकर जीने के बारे में, ये बताया जाता है कि विश्वासियों ने ये विचार लिया है मिस्ट्री आस्था से/ सच में ये थेयरी तो दी गई थी पीटर जेनिंग के ए बी सी स्पेशल में, नाम था सर्च फॉर जीजस, खैर डॉक्टर विलियम लैंकरे बताते हैं कि कैसे ये सबूत पूरी तरह से इस थेयरी को खत्म करते हैं/

डॉक्टर लेन क्रेग: सच में मैं चकित हो गया था, कि ए बी सी स्पेशल में ये सुनू कि एक विद्वान् ने इन्टरव्यू में कहा, कि शुरू के चेले शायद उकसाए गए होगे कि ये विश्वास करे, कि परमेश्वर ने यीशु को मुर्दों में से जिलाया केवल ग्रेको रोमन कथा के कारण/ याने मरकर इश्वर बनकर जी उठाना/ और मैं इस कारण चकित हो जाता हूँ क्योंकि देखिए ये तो बहुत ही अजीब है, ये तो अजीब है नामधारी आस्थाओं में, विचारो की बात है, ये तो 19 वी सदी के अंत में, और 20 वी सदी के शुरू में, लेकिन ये विचार जल्दी ही खत्म हो गया और आज इसे कोई नही देखता, नए नियम के विद्वानों में, तो चेलों का ये विचार, कि यीशु फिर से जी उठा, ग्रेको रोमी कथा के अनुसार, ये तो पूरी तरह गलत है/

समान्य रूप में, आज नए नियम के विद्वान् जानते हैं कि सही फ्रेम का काम कि यीशु नासरी को समझ सके, ये तो ग्रेको रोमी कथा नही है/ लेकिन ये तो पहली सदी की पेलेस्टाइन का यहूदी मतवाद है/ और ये तो यहूदी मतवाद के विरुद्ध में था, कि नसरत के भविष्यवक्ता को सही तरह

से समझ ले/ और यीशु के यहूदी विचारधारा को जानने की बात,याने यीशु के यहूदी होने को समझना, ये इस सच्चाई के लिए गवाही है/

अब, ये आस्था का स्कुल क्यों बंद हो गया? सामान्य रूप में दो कारण हैं, नंबर एक, इसकी समानता की बातें झूठी थी, सच में कोई भी समानता नही है, जी उठने के लिए और खाली कब्र के लिए, इस ग्रेको रोमी कथा में, ये मरने और जी उठनेवाले इश्वर इन्हें ऐतिहासिक बात नही माने जाते हैं/ जहाँ फसल के चक्र के बारे में दर्शानेवाली बात है/ फसल जो खुस जाती है, गर्म हवा के कारण, खासकर गर्मियों में, और वो फिर जी उठते हैं जी सर्दी या बारिश होती है/ और ये विचार तो इस के लिए उपयोग नही होते थे, इन इतिहास के लोगों के लिए, सच में उन्होंने जी उठने के बारे में सोचा ही नही था,ये इश्वर जैसे तामुज़, अडोनोस और ओसिरिस, ये सच में फिर नही जी उठे थे, मुर्दों में से जी नही उठे थे/ वो बाद के जीबन में अस्तित्व रखते थे/ इसलिए ये पूरी तरह से गलत होगा कि हम सोचे कि खाली कब्र के समान है, और यीशु के जी उठने के विश्वास के समान ही है/

लेकिन दूसरी बात है कि इन कथा में कोई संबंध नही है/ और शुरू के चेलों ने/ देखिए ये कथाए जानी हुई थी, यहूदी मत में, और यहूदियों ने इसे पूरी तरह से अजीब पाया था, वो निन्दा करनेवाले थे, पुराने विचार के यहूदी थे, और ये विचार कि यीशु के शुरू के चेले, वो सच में विश्वास करेगे, कि यीशु नासरी मुर्दों में से जी उठा है/ क्योंकि उन्होंने इन बातों को सुना था, ओसिरस और अडोनिस और हरकुलीस के बारे में, और ये माना जाता था कि वो विश्वास करते थे कि उनका कोई दोस्त मुर्दों में से जी उठा है, क्योंकि हम ने मूवी देखी इ टी और इ टी उस मूवी में जिन्दा हो गई थी, ये तो इतिहास में माना जाता था कि ये पुरुष, सच में विश्वास करते थे कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है/ इन कथा के आधार पर, और फिर भयानक मृत्यु में से होकर जाने के लिए तैयार थे/ उस विश्वास के सत्य को बनाने के लिए/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अब जानते हैं, आज केवल दो तरह के लोग प्रोग्राम देख रहे हैं, एक तो आप यीशु के पास आएं, और अपना भरोसा पूरी तरह से उस पर रखे हैं या नही रखे हैं/ यदि आप यीशु पर अपना भरोसा रखना चाहते हैं, उससे कहे कि वो आपके जीवन में काम करे, कि आपको बचाए और माफ करे और बदल दे, उसने वादा किया है कि वो ऐसा करेगा/ क्या ये आपके दिल की इच्छा है? यदि ऐसा है तो मैं प्रार्थना में अगुवाई करूंगा, क्या आप इसे कहेगे?

बस कहिए, हे परमेश्वर मैं जानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ, और मैं खुद को बचा नही सकता, मैं विश्वास के साथ आता हूँ प्रभु यीशु कि तू ही परमेश्वर का पुत्र है/ कि तू क्रूस पर मर और मेरे सारे पापों के लिए दाम चुकाया/ और तू उन्हें शुद्ध कर सकता है जो तुझ पर भरोसा रखते हैं/ इसी समय, मैं अपना भरोसा खुद से हटकर, तुझ पर रखता हूँ, मैं जितना भी जानता हूँ वैसे ही/ मुझे माफ कर, और मेरे जीवन में आ, धन्यवाद प्रभु यीशु कि तू मुर्दों में से जी उठा, ये साबित करते हुए कि तूने मृत्यु पर जय पाई है, और जो तुझ पर विश्वास करते हैं उन्हें अनन्त जीवन दे सकता

है/ इस पल से आगे, मैं तुझ पर विश्वास करता हूँ, और तुझ पर मेरे उद्धार के रूप में विश्वास करता हूँ, और मैं ये प्रार्थना करता हूँ, यीशु के नाम में, आमीन/

अब आपने ये प्रार्थना की है/ बाइबल कहती है कि परमेश्वर आपके दिल को देखता है, और उसने आपको स्वीकार किया है, आपको माफ किया है, और मसीह के लिए, कि आप उसके साथ सारा अनन्तकाल बिता सके, बाइबल कहती है कि जो भी प्रभु के नाम को पुकारता है, वो उद्धार पाएगा, आज आपने यही किया है, और प्रभु ने यही किया है/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2008 ATRI